

आपदा प्रबंधन



आपदा प्रबंधन



- 1) आपदा प्रबंधन का पाठ्यक्रम
- 2) विगत वर्षों में पूछे गए प्रश्न और उसकी प्रकृति
- 3) विगत वर्षों के पूछे गए प्रश्नों के आधार पर ऑब्जरवेशन
- 4) अध्ययन के स्रोत
- 5) कवर किए जाने वाले टॉपिक

आपदा प्रबंधन पाठ्यक्रम



```
graph TD; A[आपदा प्रबंधन पाठ्यक्रम] --> B[सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र - I]; A --> C[सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र - 3]; B --> D["1) महत्वपूर्ण भौतिक परिघटनाएं  
सिलेबस में शामिल हैं-  
भूकंप, सुनामी, चक्रवात, आदि  
2) भारत के भौतिक भूगोल  
से संबंधित प्रश्न, जैसे -  
बाढ़, सूखा, आदि"]; C --> E[भारत में आपदा और उसका प्रबंधन]
```

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र - I

- 1) महत्वपूर्ण भौतिक परिघटनाएं
सिलेबस में शामिल हैं-
भूकंप, सुनामी, चक्रवात, आदि
- 2) भारत के भौतिक भूगोल
से संबंधित प्रश्न, जैसे -
बाढ़, सूखा, आदि

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र - 3

भारत में आपदा और उसका प्रबंधन

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र - I

- 1) भारत के पूर्वी तट पर हाल ही में आए चक्रवात को फायलीन कहा गया । संसार में उष्णकटिबंधीय चक्रवात को कैसे नाम दिया जाता है ? विस्तार से बताइए
- 2) पश्चिम घाट की तुलना में हिमालय में भूस्खलन की घटनाओं के प्रायः होते रहने के कारण बताइए ?
- 3) हिमालय भूस्खलनों के प्रति अत्यधिक प्रवण है, कारणों की विवेचना कीजिए तथा नूनीकरण के उपयुक्त उपाय सुझाए
- 4) भारत के प्रमुख नगर बाढ़ आपदा से अधिक असुरक्षित होते जा रहे हैं, विवेचना कीजिए
- 5) हिमालय क्षेत्र तथा पश्चिम घाट में भूस्खलन के विभिन्न कारणों का अंतर स्पष्ट कीजिए
- 6) भारतीय मौसम विभाग द्वारा चक्रवात प्रवण क्षेत्रों के लिए मौसम संबंधी चेतावनियों के लिए निर्धारित रंग संकेत के अर्थ की चर्चा करें । (150 W)

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र - 3

- 1) विपदा पूर्व प्रबंधन के लिए संवेदनशीलता व जोखिम निर्धारण कितना महत्वपूर्ण है प्रशासक के रूप में आप विपदा प्रबंधन प्रणाली में किन मुख्य बिंदुओं पर ध्यान देंगे
- 2) सूखे को उसके स्थानिक विस्तार ,कालिक अवधि, मंथर प्रारंभ और कमजोर वर्गों पर स्थायी प्रभावों की दृष्टि से आपदा के रूप में मान्यता दी गई है, आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सितंबर 2010 मार्गदर्शी सिद्धांतों पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारत में एल- नीनो और ला- नीना के संभावित दुष्प्रभावों से निपटने के लिए तैयारी की कार्य विधियों पर चर्चा कीजिए
- 3) भारतीय उपमहाद्वीप में भूकंप की आवृत्ति बढ़ती हुई प्रतीत होती है फिर भी इनके प्रभाव के न्यूनीकरण हेतु भारत की तैयारी में महत्वपूर्ण कमियां है,. विभिन्न पहलुओं की चर्चा कीजिए

- 4) कई वर्षों से उच्च तीव्रता की वर्षा के कारण शहरों में बाढ़ की बारंबारता बढ़ रही है, शहरी क्षेत्रों में बाढ़ के कारणों पर चर्चा करते हुए इस प्रकार की घटनाओं के दौरान जोखिम कम करने की तैयारियों की क्रियाविधि पर प्रकाश डालिए
- 5) राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सुझावों के संदर्भ में उत्तराखंड के अनेक स्थानों पर हाल ही में बादल फटने की घटनाओं के संघात को कम करने के लिए अपनाए जाने वाले उपायों पर चर्चा कीजिए
- 6) दिसंबर 2004 को सुनामी भारत सहित 14 देशों में तबाही लाई थी, सुनामी के होने के लिए जिम्मेदार कारकों एवं जीवन तथा अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले उसके प्रभावों पर चर्चा कीजिए एनडीएमए के दिशा निर्देशों 2010 के प्रकाश में इस प्रकार की घटनाओं के दौरान जोखिम को कम करने की तैयारियों की क्रिया विधि का वर्णन कीजिए

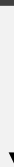
- 7) भारत में आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए सेनदेई आपदा जोखिम न्यूनीकरण प्रारूप (2015 – 2030) हस्ताक्षर करने से पूर्व एवं उसके पश्चात किए गए विभिन्न उपायों का वर्णन कीजिए, यह प्रारूप द्यूगो कार्रवाई प्रारूप 2005 से किस प्रकार भिन्न है
- 8) आपदा प्रभावित लोगों के लिए उसके खतरे को परिभाषित करने के लिए भेधता एक आवश्यक तत्व है, आपदा के प्रति भेधता किस प्रकार और किन-किन तरीकों के साथ चरित्र चित्रण किया जा सकता है, आपदाओं के संदर्भ में भेधता के विभिन्न प्रकारों पर चर्चा कीजिए
- 9) किसी आपदा प्रबंधन प्रक्रम में आपदा तैयारी पहला कदम है, भूस्खलनों के मामलों में स्पष्ट कीजिए कि संकट अनुक्षेत्र मानचित्रण किस प्रकार आपदा अल्पीकरण में मदद करेगा

- 10) आपदा प्रबंधन में पूर्ववर्ती प्रतिक्रियात्मक उपागम से हटते हुए भारत सरकार द्वारा आरंभ किए गए अभिनूतन उपायों की विवेचना कीजिए
- 11) भूकंप संबंधित संकटों के लिए भारत की भेद्यता की विवेचना कीजिए, पिछले तीन दशकों में भारत के विभिन्न भागों में भूकंप द्वारा उत्पन्न बड़ी आपदाओं के उदाहरण प्रमुख विशेषताओं के साथ कीजिए
- 12) भूस्खलन के विभिन्न कारणों और प्रभावों का वर्णन कीजिए ,राष्ट्रीय भूस्खलन जोखिम प्रबंधन रणनीति के महत्वपूर्ण घटकों का उल्लेख कीजिए
- 13) बांध की विफलताएं हमेशा विनाशकारी होती हैं, खासकर निचले हिस्से में, जिसके परिणामस्वरूप जान-माल की भारी क्षति होती है। बांध विफलताओं के विभिन्न कारणों का विश्लेषण करें। बड़े बांधों की विफलता के दो उदाहरण दीजिए (2023)

विगत वर्षों में पूछे गए प्रश्नों की प्रकृति

- 1) सामान्य कांसेप्ट पर आधारित प्रश्न
- 2) सरकार द्वारा उठाए गए कदम
- 3) प्रशासनिक दृष्टिकोण का समावेशन
- 4) प्रशासनिक संवेदनशीलता का दृष्टिकोण
- 5) आपदा प्रबंधन में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग
- 6) गुड गवर्नेंस की संकल्पना को जमीनी स्तर पर लाना
- 7) आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में राष्ट्रीय, क्षेत्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय प्रगति
- 8) सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय क्षति को न्यूनतम कर सतत विकास कैसे सुनिश्चित करेंगे
- 9) समसामयिकी घटनाओं से संबंधित प्रश्न

विगत वर्षों में पूछे गए प्रश्नों के आधार पर ऑब्जरवेशन

- 
- 1) अब तक कुल 20 प्रश्न 11 वर्षों में पूछे गए हैं
 - 2) स्टैटिक और अवधारणात्मक दोनों प्रकार के प्रश्न
 - 3) प्रश्नों की पुनरावृत्ति / टॉपिक की पुनरावृत्ति
 - 4) कम-से-कम एक प्रश्न पेपर - I और I से 2 प्रश्न पेपर- 3

अब तक पूछे गए प्रश्न से संबंधित टॉपिक

- 
- 1) लैंडस्लाइड
 - 2) सूखा
 - 3) बाढ़
 - 4) शहरी बाढ़
 - 5) बादल का फटना
 - 6) भूकंप
 - 7) सुनामी
 - 8) चक्रवात
 - 9) बांध विफलता

अध्ययन के स्रोत



- 1) क्लास नोट्स
- 2) NCERT क्लास इलेवेंथ पार्ट -2 (भारत का भौतिक पर्यावरण)
- 3) डिजास्टर मैनेजमेंट मैटेरियल प्रिंटेड नोट्स
- 4) नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी गाइडलाइंस
- 5) आपदा से संबंधित समसामयिकी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहल
- 6) आपदा प्रबंधन से संबंधित द्वितीय प्रशासनिक आयोग की सिफारिश
- 8) विगत विगत वर्षों के प्रश्न पत्र को समझना और लिखना

कवर किए जाने वाले टॉपिक



1) प्राकृतिक आपदा

- I. पार्थिव और विवर्तनिक आपदा
- II. जलीय आपदा
- III. मौसमी आपदा
- IV. जैविक आपदा

2) मानवजनित आपदा

- I. भौतिक आपदा
- II. औद्योगिक आपदा
- III. रासायनिक आपदा
- IV. नाभकीय आपदा
- V. सामाजिक आपदा

आपदा प्रबंधन से संबंधित बेसिक अवधारणा



- 1) पर्यावरणीय प्रतिबल
- 2) चरम घटना
- 3) पर्यावरणीय प्रकोप और उसकी विशेषता
- 4) आपदा और उसकी विशेषता
- 5) सुभेधता अर्थ एवं प्रकार
- 6) जोखिम अर्थ एवं प्रकार
- 7) शमन
- 8) क्षमता विकास
- 9) आपदा प्रबंधन के चरण

IAS मुख्य परीक्षा प्रश्न

Q) आपदा प्रभावित लोगों के लिए उसके खतरे को परिभाषित करने के लिए भेधता एक आवश्यक तत्व है, आपदा के प्रति भेधता किस प्रकार और किन-किन तरीकों के साथ चरित्र चित्रण किया जा सकता है, आपदाओं के संदर्भ में भेधता के विभिन्न प्रकारों पर चर्चा कीजिए

IAS मुख्य परीक्षा प्रश्न

Q) विपदा पूर्व प्रबंधन के लिए संवेदनशील व जोखिम निर्धारण कितना महत्वपूर्ण है प्रशासक के रूप में आप विपदा प्रबंधन प्रणाली में किन मुख्य बिंदुओं पर ध्यान देंगे

नजर को बदलो तो नजारे बदल जाते हैं,
सोच को बदलो तो सितारे बदल जाते हैं !!
कशियां बदलने की जरूरत नहीं दिशाओं
को बदलो तो किनारे खुद ब खुद बदल
जाते हैं!